Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, Kanpur

Answer Script Details
Barcode 10451830

Roll No. 23262000041
Total Mark 59/75.00

Exam BACHELOR OF ARTS_ODD EXAM-DEC-24
Subject A300301T - THEORETICAL AND ANALYTICAL STUDY

Question wise Mark Summary

Q.No	Mark	Q.No	Mark	Q.No	Mark	Q.No	Mark
1A	4/5	8C	0/3				
1B	4/5	8D	0/3				
1C	5/5	8E	0/3				
1D	4/5	8F	0/3				
1E	4/5	9	0/15				
1F	4/5						
1G	4/5						
1H	4/5						
1I	4/5						
2	0/15						
3	0/15						
4	11/15						
5	0/15						
6	0/15						
7	11/15						
8A	0/3						
8B	0/3						

Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University
Kanpur, Uttar Pradesh

PART-I

Date of Exam: 11.01.25 Shift IInd Room No. 28

Paper Code: A300301T Subject: Music Sitar Year/Sem: 3rd Sem

Name of Candidate: AKANKSHA SONI

Roll No. 2326200041

COE Facsimile

Signature of Invigilator

Signature of Candidate

PART-II

MARKS OBTAINED

Q.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(a)										
(b)										
(c)										
(d)										
(e)										
(f)										
(g)										
(h)										
(i)										
(j)										
Total										

Total Marks in Figures — Max. Marks

Total Marks in Words

A300301T

Paper Code

Signature of Evaluator

PART-III

Course: BA Fine Arts and Performing Arts

Session: 2024-25 Year/Semester: 3rd Sem.

Subject: Music Sitar

Paper Code: A300301T

Exam Date: 11 01 2025

Name of Candidate: AKANKSHA SONI

Father's Name: LUXMI KANT

महाविद्यालय का कोड College Code: KN015

परीक्षा केन्द्र का कोड Exam Centre Code: KN015

परीक्षा का प्रकार Type of Exam

संस्थागत Regular ● | भूतपूर्व छात्र Ex. Student ○

व्यक्तिगत Private ○ | बैक पेपर परीक्षा Back paper Exam ○

ANSWER BOOKLET NO.

10451830

A300301T

Paper Code

PART-IV

नामांकन संख्या Enrolment Number: CSJMA23000116349

परीक्षार्थी अनुक्रमांक संख्या Candidate's Roll Number: 2326200041

पेपर कोड Paper Code: A300301T

Signature of Candidate

Signature of Invigilator

C S Facsimile

COE Facsimile

नोट : 1. परीक्षार्थी को निर्देशित किया जाता है कि आवरण पत्र के पृष्ठ भाग पर अंकित सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ें।
2. बॉक्स में भरी जाने वाली प्रविष्टियाँ बाईं तरफ से शुरू की जायें। 3. गोलों को काले या नीले बॉलपेन से भरा जायें।

INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-I

1. Read the instructions carefully given on the answer script and admit card.
2. Write Date of Exam, Shift, Paper Code & Name of Subject Correctly.
3. Write Name & Roll No. Correctly.
4. Write Semester & Branch Correctly.

INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-III

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numerals in ☐ Boxes.
2. Carefully study the example before you start marking.
3. As shown in the example below blacken the circles completely.

Correct method	Incorrect method
① ● ③ ④	✓ ✗ ◉ ◎

4. Make no Stray marks on this sheet.
5. **DO NOT WRITE OR MARK ON THE BAR CODE.**

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. प्रवेश पत्र एवं उत्तर पुस्तिका पर दिये गये निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
2. कवर पृष्ठ के दूसरी तरफ कुछ न लिखें।
3. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों पर दोनों तरफ लिखें।
4. प्रश्न पत्र पर अपने अनुक्रमांक के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
5. प्रश्न पत्र कोड एवं प्रश्न पत्र कोड सावधानी पूर्वक लिखें।
6. अपनी स्थिति स्पष्ट लिखें।
7. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों की संख्या देखें। अगर उत्तर पुस्तिका में पृष्ठ (1–24) से कम है या फटे हुए है, तो परीक्षा शुरू होने के पूर्व दूसरी उत्तर पुस्तिका ले लें।
8. प्रश्नपत्र को देख, यदि प्रश्नपत्र के विषय कोड, विषय का नाम तथा प्रश्न में कोई त्रुटि है तो उसके परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट के अन्दर कक्ष निरीक्षक को तत्काल सूचित करें, उसके बाद विश्वविद्यालय द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जायेगी।
9. प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये पेंसिल का प्रयोग न करें।
10. B कॉपी या अतिरिक्त ग्राफ नहीं दिया जायेगा।

IN ORDER TO AVOID UFM (UNFAIR MEANS) :

1. The Roll No. and Answer Book no. found elsewhere or any other symbol found in the answer book will be treated as unfair means.
2. Any tempering of Bar Code and Booklet no shall be treated as Unfair Means.
3. Do Not bring the materials like slip of paper/mobile/digital diaries/ study material/ revision notes in examination hall. Possession of the mobiles/ digital diaries/ electronic watch and any other electronic gadget except memory less scientific calculator shall be considered as UFM case.
4. Do not keep or paste currency note in answer script it shall be consider as UFM.

INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE

1. Read the instructions carefully given on the Question Paper, Admit Card & Answer Script.
2. Do not write anything on back side of the cover page.
3. Write on both sides of pages of answer book.
4. Do not write anything on question paper except Roll Number.
5. Write Paper Code & Question Paper Id carefully.
6. CHECK the number of pages (1-32) or any other kind of damage in your answer script, if found than change the answer script immediately before the commencement of examination.
7. CHECK the Question Paper for any kind of discrepancy e.g. Subject Code, Subject Name and Question of the Question Paper during first THIRTY MINUTES of the commencement of the exam, so that it can be corrected in TIME. After that no corrections shall be entertained by the university.
8. Do not use pencil for answering the question.
9. Write status correctly e.g. those appearing in carry over papers should fill in status as Carry Over. Those appearing as Ex-Students should fill in status as ex.
10. No supplementary answer book & graph paper will be provided.

अनुचित साधन से बचने हेतु:

1. उत्तर पुस्तिका के निर्देशित स्थान को छोड़कर अनुक्रमांक एवं उत्तरपुस्तिका का क्रमांक कहीं और न लिखें तथा कोई भी चिन्ह न बनायें क्योंकि यह अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।
2. उत्तर पुस्तिका के बारकोड अथवा उत्तर पुस्तिका संख्या पर छेड़ करने पर अनुचित साधन प्रयोग माना जायेगा।
3. परीक्षा कक्ष में निम्न वस्तुएं साथ न लायें, जैसे लिखे हुए कागज के टुकड़े, मोबाईल, डिजिटल डायरी, कॉपी, पुस्तक यह सभी वस्तुएं जो अनुचित साधन के अन्तर्गत आती है। केवल संबंधित प्रश्नपत्र में ही मेमोरी लैस साइंटफिक कैल्कुलेटर ले जाने की अनुमन्यता होगी।
4. उत्तर पुस्तिकाओं में रूपये न रखें न ही उत्तर पुस्तिका में चिपकायें। ऐसा करना अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।

INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-IV

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numberals in ☐ Boxes.
2. Use blue or black ball point pen for filling the circles.

	1	8	1	5	4	3	2	1	6	9
0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
1	●	1	●	1	1	1	1	●	1	1
2	2	2	2	2	2	2	●	2	2	2
3	3	3	3	3	3	●	3	3	3	3
4	4	4	4	4	●	4	4	4	4	4
5	5	5	5	●	5	5	5	5	5	5
6	6	6	6	6	6	6	6	6	●	6
7	7	7	7	7	7	7	7	7	7	7
8	8	●	8	8	8	8	8	8	8	8
9	9	9	9	9	9	9	9	9	9	●

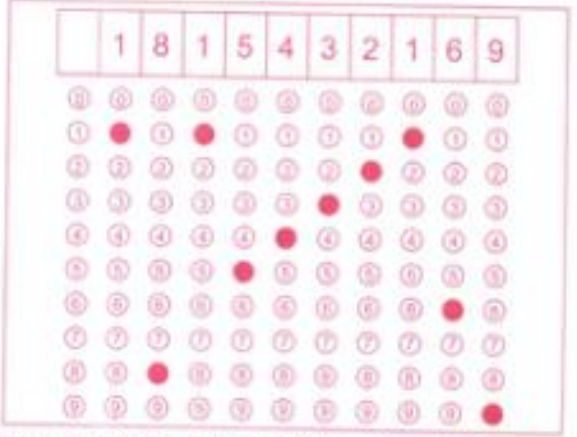

Note - If your Roll No. is of 10 digits. Please leave first three columns.

Paper Code

01

खण्ड - अ

उत्तर - 1(a)

राग भैरव -

"थाट भैरव रे, ध कोमल, ध रे स्वर संवाद
प्रातः सब मिलकर गायें, भैरव सम्पूरण राग"

थाट - भैरव वादी - ध
जाति - सम्पूर्ण संवादी - रे
स्वर - ऋषभ तथा धैवत कोमल शेष शुद्ध
वर्जित स्वर - कोई नहीं
गायन समय - प्रातःकाल
समप्रकृति राग - कलिंगड़ा
प्रकृति - गम्भीर
चलन - मुख्यतः मन्द्र, मध्य सप्तक में

आरोह सा रे ग म प ध नि सां
अवरोह सां नी ध प म ग रे सा

पकड़ - ग म रे सा, म प ध प, ध नी सा
ग म रे सा

विशेषता - राग भैरव गम्भीर प्रकृति की राग है अतः इस राग में ध्रुपद, धमार ख्याल आदि का गायन वादन किया जाता है।
यह प्रातःकालीन 4 से 7 बजे गायी जाने वाली राग है अतः यह राग एक संधिप्रकाश राग है।

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

02

उत्तर – 1(b)

कहरवा ताल – कहरवा ताल तबले की अत्यधिक लोकप्रिय ताल है।
इस ताल में लोकगीत, भजन आदि का गायन वादन किया जाता है।
यह एक समपदीय ताल है।

ताल – कहरवा
मात्रा – 8 मात्रा
विभाग – 2
ताली – 1 पर
खाली – 5 पर
छन्द – 4/4

ठेका

मात्रा –	1	2	3	4	5	6	7	8
बोल –	धा	गे	न	ति	न	क	धि	न
चिन्ह –	X				0			

दुगुन

मात्रा –	1	2	3	4	5	6	7	8
बोल –	धागे	नति	नक	धिन	धागे	नति	नक	धिन
चिन्ह –	X				0			

चौगुन

मात्रा	1	2	3	4
बोल	धागेनति	नकधिंन	धागेनति	नकधिंन
चिन्ह	X			
मात्रा	5	6	7	8
बोल	धागेनति	नकधिंन	धागेनति	नकधिंन
चिन्ह	0			

Paper Code

03

उत्तर - 1 (c)

मींड - जब एक स्वर से दूसरे स्वर पर बिना स्पष्ट किये जाते है तो उसे मींड कहते है
मींड को स्वर के ऊपर ⁀ चिन्ह लगाकर प्रदर्शित करते है
उदाहरण -

घसीट - घसीट का शाब्दिक अर्थ होता है 'घसीटना'
सितार पर मिजराब के एक प्रहार द्वारा एक साथ दो या दो से अधिक स्वरों को तार पर घसीटते हुये वादन करना ही घसीट कहलाता है।

उत्तर - 1(d)

विकृत स्वर - वे स्वर जो अपने स्थान से ऊपर या नीचे गमन करते है अथवा बजते है। तथा अपनी शुद्ध अवस्था में नही रहते विकृत स्वर कहलाते है
विकृत स्वर मुख्यतः दो प्रकार के होते है
1. कोमल विकृत
2. तीव्र विकृत

1. कोमल विकृत - स्वर जिनका गायन वादन उनकी शुद्ध अवस्था से नीचे होता है कोमल विकृत स्वर कहलाते है।
रे, ग, ध नि स्वर अपनी विकृत अवस्था

जो चलते हैं।
कोमल विकृत स्वरो को उनके नीचे '—' पड़ी रेखा द्वारा प्रदर्शित किया जाता है।
उदाहरण — रे ग ध नि

तीव्र विकृत - वे स्वर जिनका गायन वादन उनकी शुद्ध अवस्था से ऊपर किया जाता है तीव्र विकृत कहलाते हैं।
इन्हे स्वर के ऊपर खड़ी रेखा द्वारा प्रदर्शित किया जाता है। '।'
उदाहरण — मं

उत्तर - 1(e)

रजाखानी गत — मालकौंस

स्थाई

			ग सग धनी दा दिर दा रा 3
सां > ध नी दा > दा रा X	ध म गग मम दा रा दिर दिर 2	ग- गनी नी सा दाऽ रदा रा दा 0	
			ध नीनी सा ग दा दिर दा रा 3
मम ध नी दा रा दा रा X	सां नी धध मम दा रा दिर दिर 2	ग-ऽ गनीनीसा दाऽ रदा रादा 0	

अन्तरा

			ग मम धु म दा दिर दा रा 3
नी नी सां सां दा रा दा रा X	ध मम गग मम दा दिर दिर दिर 2	गं ऽ गंनी नी सां दाऽ रदा रा दा 0	
			सां नीनी ध ध दा दिर दा रा 3
ग मम ध नी दा दिर दा रा X	ध म गम मम दा रा दिर दिर 2	ग- गनी नी सां दाऽ रदा रा दा 0	

उत्तर - 1(f)

चारताल - चारताल को [illegible]ताल, रासताल, मोहनताल आदि नामों से जाना जाता है इसका वादन विलम्बित ख्यालों में किया जाता है
यह 12 मात्राओं की एक समपदीय ताल है

मात्रा - 12
ताली - 1, 5, 9, 11
खाली - 3 7
विश्राम - 6
छन्द - 2/2/2/2

इसमें सभी पद समान है।

Do Not Write anything in this Portion

चारताल की चौगुन

मात्रा	1	2	3
बोल	धा धा दिंता	किट धा दिंता	तिटकत गदि गन
चिन्ह	x		0
मात्रा	4	5	6
बोल	धा धा दिंता	किटधा दिंता	तिटकत गदिगन
चिन्ह		2	
मात्रा	7	8	9
बोल	धा धा दिंता	किटधा दिंता	तिट कत गदि गन
चिन्ह	0		3
मात्रा	10	11	12
बोल	धा धादिंता	किटधा दिंता	तिटकत गदि गन
चिन्ह		1	

उत्तर - 1 (ग)

राग केदार —

थाट - कल्याण
वादी - म , मध्यम
संवादी - सा षडज
जाति - औडव - षाडव
गायन समय - रात का प्रथम प्रहर
स्वर - दोनो मध्यम शेष शुद्ध
वर्जित स्वर - रे ग आरोह मे ग अवरोह मे
समप्रकृति राग -
चलन

आरोह सा म , म प , ध नी सां
अवरोह - सां नी ध प म प ध प म रे सा

पकड़ साम म प म रे सा

Paper Code

07

उत्तर - 1(h)

आरोह - जब स्वरों को उनके आगे की ओर बढ़ते हुये क्रम में लगाया जाता है तो उसे आरोह तथा उस क्रिया को आरोहन करना बोलते है।

उदाहरण - सा रे ग प ध नी सां

अवरोह - जब स्वरों को ऊँचे से उतरते क्रम में बजाया गाया जाता है तो उसे अवरोह कहते है।

उदाहरण - सां नी ध प म ग रे सा

उत्तर - 1(i)

राग की जाति - किसी राग में लगने वाले स्वरों की संख्या से राग की जाति का निर्धारण किया जाता है। ये जाति मुख्यत: तीन प्रकार की है।

1. सम्पूर्ण
2. षाड़व
3. औडव

इनसे मिलकर रागों में आरोह - अवरोह में लगने वाले स्वरों की स्थिति के अनुसार किसी राग की जातियों को निश्चित किया जाता है।

इस प्रकार कुल मिलाकर 9 जातियां बनाई जाती

Paper Code

08

है

1 सम्पूर्ण - सम्पूर्ण
2 सम्पूर्ण - षाडव
3 सम्पूर्ण औडव
4 षाडव - सम्पूर्ण
5 षाडव षाडव
6 षाडव औडव
7 औडव सम्पू.
8 औडव षाडव
9. औडव औडव

खण्ड - ख (ब)

उत्तर - 4

सितार - सितार के अविष्कार के सम्बन्ध में कई मत प्राप्त होते है!

सुरत्यत: कहा जाता है कि सितार के जनक अमीर खुसरो थे।

कुछ लोग सितार को तानसेन की की देन भी बताते है।

त्रितन्त्री वीणा पर 4 तार और लगाकर इसे सितार बनाया गया सर्वप्रथम इसे सहतार नाम से जाना जाता था समय के साथ इसका नाम परिवर्तन हो गया!

एक मत है कि राजा विक्रमादित्य

Paper Code

09

जो स्वयं एक सितार वादक थे उन्होंने इसका निर्माण किया।
सितार के प्रचार-प्रसार का श्रेय विद्वान अमीर सेन तथा उनके पौत्र निहाल सेन को दिया जाता है।
कहा जाता है सितार के तुम्बे के स्थान पर पहले बकरी की खाल का प्रयोग किया जाता था फिर तानसेन जी ने 17वीं शताब्दी के आस पास बकरी की खाल के स्थान पर तुम्ब फल / अलाबू लगाया।

सितार के महान वादकों में पं. रविशंकर जी का नाम उल्लेखनीय है।
उन्होंने सितार में 8वां लरज का तार लगाया था।

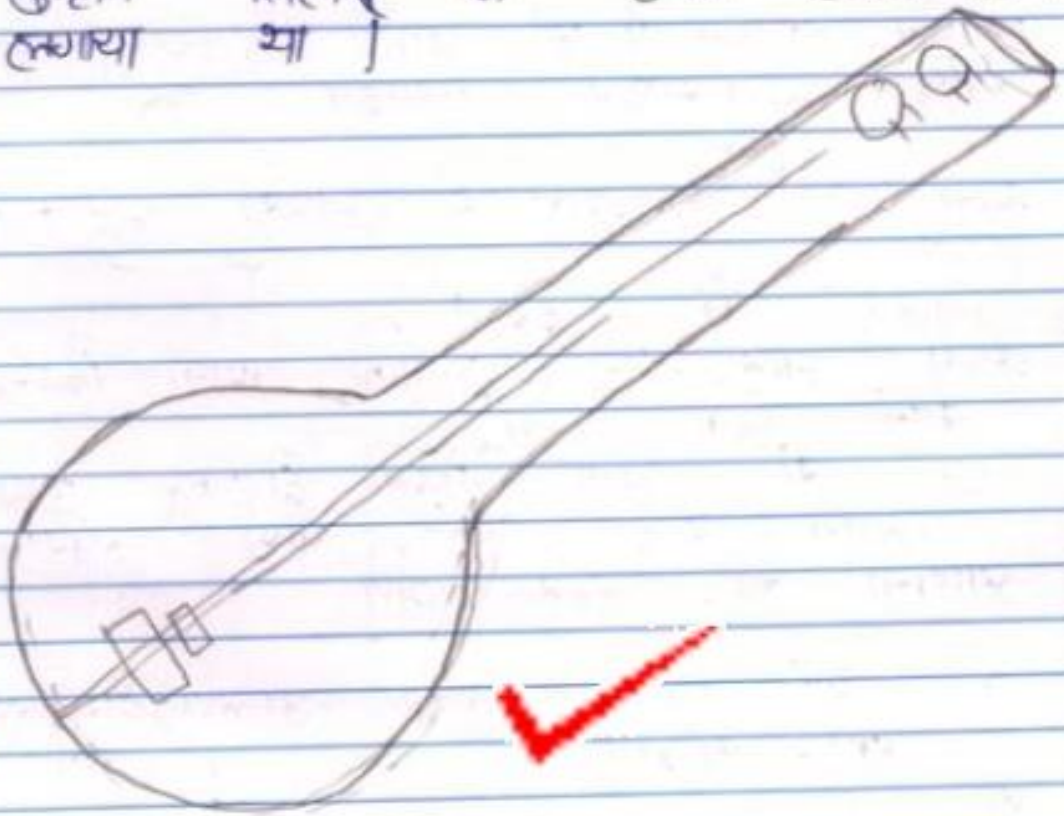

Paper Code

10

खण्ड - स
उत्तर - 9

पं. रविशंकर (सितारवादक)

जन्म - 7 अप्रैल 1920 बनारस

पं. रविशंकर जी का जन्म 7 अप्रैल 1920 को बनारस के एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था
इनके पिता का नाम गौरीशंकर था तथा इनके बड़े भाई का नाम उदयशंकर था
इनके बड़े भाई नृत्य मंडली चलाते थे
आपने बचपन में ही भाई उदयशंकर के साथ नृत्य मंडली ज्वाइन कर ली।

नृत्य मंडली के द्वारा ही आपकी मुलाकात बाबा अलाउद्दीन खान से सन् 1935 में हुई।
बाबा अलाउद्दीन आपको अपना शिष्य मान चुके थे।
1938 में नृत्य मंडली छोड़कर आप अपने गुरु के पास संगीत साधना को चले गये

1941 में आपका विवाह अलाउद्दीन खां की सुपुत्री अन्नपूर्णा देवी जी से हो गया।

Do Not Write anything in this Portion

आपने 'गांधी' चलचित्र में संगीत दिया जिसके लिये आपको संगीत नाटक अकादमी पुरुस्कार प्राप्त हुआ।

1967 में आपको पद्म विभूषण प्राप्त हुआ

1981 मे पद्म भूषण प्राप्त हुआ

1999 में आपको भारत रत्न से नवाजा गया

रचित रागें - परमेश्वरी, नट भैरव, बैरागी भैरव तिलक श्याम आदि रागों की रचना की

('आंधियाँ') चलचित्र में आपने संगीत दिया तथा कुछ वर्ष आकाशवाणी मे भी काम किया

पहला एल्बम - थ्री रागास इन लंदन रिकार्ड किया

Three Ragas in London

किन्नर म्यूजिक स्कूल खोला। जिसकी दो शाखाये लॉस एंजिलिस मे तथा एक शाखा बम्बई मे है!

ये बीन अंग का सितार बजाते थे!

इन्हे 5 ग्रैमी अवार्ड, मैग्सेसे पुरुस्कार तथा पोलर अवार्ड से भी नवाजा गया

इन्होने सितार पर 8वां खरज का तार लगाया था

उनकी दूसरी पत्नी सुकन्या राजन थी जिनसे उन्हे अनुष्का शंकर पुत्री रत्न प्राप्त हुआ वह स्वयं भी एक उत्कृष्ट सितार वादिका है।

उनकी मृत्यु 11 दिसम्बर 2012 में अमेरिका में हुई
तथा यह सितारा आकाश में सदा के लिये लीन हो गया।

उनके अंतिम शिष्य रिशव रिखीराम शर्मा को माना जाता है।

Do Not Write anything in this Portion

Do Not Write anything in this Portion

Do Not Write anything in this Portion

X

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

X

Do Not Write anything in this Portion

X

Paper Code

17

Do Not Write anything in this Portion

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

Do Not write anything in this Portion

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

Do Not Write anything in this Portion

X